Title: Demand to provide compensation to the farmers of Sriganganagar district of Rajasthan for the acquisition of their land used for barbed wire fencing at the border.

श्री निहाल चन्द चौहान (श्रीगंगानगर) : अध्यक्ष महोद्य, राज्स्थान के ्सीमांत क्षेत्र श्रीगंगानगर के ्बारे में पिछली 30 मई को गृह मंत्री जी और पंजा्ब के मुख्य मंत्री जी के ्साथ एक मीटिंग का आ्योजन कि्या ग्या था। जि्समें कहा ग्या था कि राज्स्थान के ्सीमांत क्षेत्र में जहां कंटीली तार लगाई हुई है, उ्समें आई हुई 1020 किलोमीटर ्भूमि का मुआ्वजा ्वहां के कि्सानों को मिलना चाहिए। लेकिन ्वह अ्भी तक नहीं मिला है। मेरा अनुरोध है कि कंटीली तार लगाने के का्र्य में जो ्भूमि उ्समें आई है, उ्सका मुआ्वजा कि्सानों को दि्या जाए, क्योंकि कि्सानों को ्बड़ी परे्शानी का ्सामना करना प्ड़ रहा है। उ्स ्भूमि पर न तो आ्सानी ्से कि्सान जा ्सकते हैं, न आ्सानी ्से अपनी उपज ्बो ्सकते हैं, न ही आ्सानी ्से सिंचाई कर ्सकते हैं और न ही आ्सानी ्से फ्सल काट ्सकते हैं। अगर ्वे जाते हैं तो ्बोर्डर पर तैनात ्बी.एस.एफ. के लोग उन्हें तंग करते हैं।

1227 ्बजे (उपाध्यक्ष महोद्य पीठा्सीन हुए)

मेरा ्सरकार ्से आग्रह है कि उ्स 1020 किलोमीटर ्भूमि का मुआ्वजा तुरंत ्वहां के कि्सानों को दि्या जाए। इ्स्से पूर्व पंजा्ब ्सरकार ने अपने ्यहां इ्सी प्रकार ्से मुआ्वजा दि्या है। केन्द्र ्सरकार राज्य ्सरकार ्से कहे कि ्वहां के कि्सानों को ्भी मुआ्वजा दि्या जाए।